डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25 17 August 2024

প্ৰেছ বিজ্ঞপ্তি

সাহিত্য অকাদেমি বাল সাহিত্য বঁটা ২০২৫

সাহিত্য অকাদেমিয়ে ২০১০ চনৰ পৰা ২৪ টা মান্য ভাৰতীয় ভাষাৰ প্ৰতিটোতে বাল সাহিত্য বঁটা প্ৰদান কৰি আহিছে। অসমীয়া, বাংলা, বড়ো, ডোগ্ৰী, ইংৰাজী, গুজৰাটী, হিন্দী, কানাড়া, কাশ্মীৰী, কোংকনী, মৈথিলী, মালয়ালম, মণিপুৰী, মাৰাঠী, নেপালী, উড়িয়া, পাঞ্জাৱী, ৰাজস্থানী, সংস্কৃত, চান্থালী, সিন্ধি, তামিল, তেলেগু আৰু উৰ্দু ভাষাত ভাৰতীয় লেখকৰ দ্বাৰা ৰচিত শ্ৰেষ্ঠ শিশু সাহিত্যিক প্ৰতি বছৰে শ্ৰেষ্ঠ বাল সাহিত্য বঁটা প্ৰদান কৰি অহা হৈছে। এই পুৰস্কাৰ এক বিশাল সমাৰোহত প্ৰদান কৰা হয় য'ত থাকে নগদ ৫০,০০০ হাজাৰ টকা, এক স্মাৰক আৰু এখন প্ৰশস্তি পত্ৰ।

.সাহিত্য অকাদেমিয়ে ২০২৫ চনৰ বাল সাহিত্য বঁটাৰ বাবে মান্যতা প্ৰাপ্ত ২৪ টা ভাষাৰ লেখক, প্ৰকাশক আৰু শুভাকাংক্ষী পাঠকৰ পৰা গ্ৰন্থ আহ্বান কৰিছে। ৯ ৰ পৰা ১৬ বছৰ বয়সৰ পাঠকৰ বাবে উপযুক্ত আৰু ২০১৯, ২০২০, ২০২১, ২০২২ আৰু ২০২৩ বৰ্ষৰ (অৰ্থাৎ ১ জানুবাৰী ২০১৯ বৰ্ষৰ পৰা ৩১ ডিছেম্বৰ ২০২৩)ৰ ভিতৰত প্ৰথম প্ৰকাশিত হ'ব লাগিব। প্ৰতিখন গ্ৰন্থৰ দুটাকৈ কপি আবেদন পত্ৰ সহ ১৬ ছেপ্টেম্বৰ ২০২৪ৰ ভিতৰত প্ৰেৰণ কৰিব লাগিব। পুৰস্কাৰ সম্পৰ্কে সবিশেষ তথ্য জানিবলৈ সাহিত্য অকাদেমিৰ ৱেবছাইট www.sahitya-akademi.gov.in ত বিচাৰ কৰক।

(কে. শ্ৰীনিবাসৰাও)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25

17 August 2024

প্রেস বিজ্ঞপ্তি

সাহিত্য অকাদেমি বাল সাহিত্য পুরস্কার ২০২৫

সাহিত্য অকাদেমি ২০১০ সাল থেকে প্রতি বছর অকাদেমি স্বীকৃত ২৪টি ভারতীয় ভাষায় "বাল সাহিত্য পুরস্কার" দিয়ে আসছে। অকাদেমি স্বীকৃত ভারতীয় ভাষায় (অসমীয়া, বাংলা, বোড়ো, ডোগরী, ইংরেজি, গুজরাটী, হিন্দী, কন্নড়, কাশ্মিরী, কোঙ্কণী, মৈথিলী, মলয়ালম, মণিপুরী, মরাঠী, নেপালী, ওড়িয়া, পঞ্জাবী, রাজস্থানী, সংস্কৃত, সাঁওতালী, সিন্ধী, তামিল, তেলুগু এবং উর্দু) শিশুদের জন্য লেখা ভারতীয় সাহিত্যিকদের শ্রেষ্ঠ বইটিকে এই পুরস্কার দেওয়া হয়ে থাকে। এক মর্যাদাপূর্ণ অনুষ্ঠানে এই পুরস্কার অর্পণ করা হয় । পুরস্কারের অর্থমূল্য ৫০,০০০ টাকা এবং এর সঙ্গে থাকে একটি অলংকৃত ফলক ও মানপত্র।

বাল সাহিত্য পুরস্কার ২০২৫-এর মনোনয়নের জন্য সাহিত্য অকাদেমি স্বীকৃত ২৪টি ভারতীয় ভাষার লেখক, প্রকাশক এবং সাহিত্যপ্রেমীদের বই জমা দেওয়ার আমন্ত্রণ জানানো হচ্ছে। নয় থেকে ষোল বছর বয়সী পাঠককূলের কথা মাথায় রেখে লেখা বই যার প্রথম প্রকাশনার সাল ২০১৯, ২০২০, ২০২১, ২০২২ এবং ২০২৩ (১ জানুয়ারী ২০১৯ থেকে ৩১ ডিসেম্বর ২০২৩ অবধি) শুধুমাত্র সেইগুলিই বিবেচিত হবে। ১৬ সেপ্টেম্বর ২০২৪-এর আগেই প্রতিটি বইয়ের দুটি করে কপির সঙ্গে আবেদনপত্র জমা পড়া আবশ্যক। পুরস্কার সংক্রান্ত বিশদ বিবরণের জন্য দ্রষ্টব্য সাহিত্য অকাদেমির ওয়েবসাইট www.sahitya-akademi.gov.in -এ দেওয়া বাল সাহিত্য পুরস্কারের নিয়মাবলী।

(কে. শ্রীনিবাসরাও)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25

17 August 2024

प्रेस बिबुंसार

साहित्य अकादेमी गथ' थुनलाइ बान्था 2025

साहित्य अकादेमीआ गावारि बानजायनायजों गासै 24 भारतारि रावफोरनो मोनफ्रोम रावनि थाखाय 2010 माइथायनिफ्राय गथ' थुनलाइ बान्थखौ होबोगासिनो थादों। असमिया, बांला, बर', डोगरी, इंराजि, गुजराती, हिंदी, कन्नड, कश्मिरि, कोंकणी, मैथली, मल्यालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडीया, पंजाबी, राजस्थानि, संस्कृत, संताली, सिंधी, तामिल, तेलुगु आरो उर्दु रावजों सोरजिनाय भारतनि लिरगिरिफोरनि साबसिन गथ' थुनलाइ बिजाबखौ बोसोरफ्रोमबो गथ' थुनलाइ बान्थानि थाखाय सायख'नाय जायो। बे बान्थाखौ मोनसे गेदेर हाबाफारि फालिनायनि गेजेरजों गथायनाय जायो, जेराव साफ्रोम बान्था देरहागिरि फोरनो 50,000 /- रां, गंसे ताम्रफलक आरो मानबिलाइ गथायनाय जायो।

साहित्य अकादेमीआ बोसोर 2025 नि गथ' थुनलाइ बान्थानि थाखाय भारतनि लिरगिरिफोर, बिसोरनि गाहाम हामलायगिरिफोर आरो दिहुनगिरिफोरनि गनायजाथाव गासै 24 भारतारी रावनि बिजाबफोरखौ आजावनो थाखाय हांखायबाय। बिजाबा 9 निफ्राय 16 बोसोर बैसोसिमनि फरायगिरिफोरखौ नोजोराव लाखिनानै लिरनाय जानांगोन आरो बोसोर 2019 , 2020, 2021, 2022 आरो 2023 (1 जानुवारी 2019 निफ्राय 31 दिसेम्बर 2024) नि गेजेराव गिबि दिहुनजानाय बिजाबफोरनि सायाव नोजोर बोनाय जागोन। गांफ्रोम बिजाबनि गांनै बिजाबजों लोगोसे गांसे आरजलाइ गथायनायनि जोबथा अक्ट'आ 16 सेप्तेम्बर 2024। बान्थानि सोमोन्दै गुवारै रायफोरथिनायनि बागै मिथिनो थाखाय गथ' थुनलाइ बान्था, जाय जोंनि वेबसाइट www.sahitya-akademi.gov.in होनाय दं।

(के. श्रीनिवासराव)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

S.A.61/B.S.Pu/25/

17 अगस्त 2024

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी बाल साहित्य पुरस्कार 2025

साहित्य अकादेमी 2010 कोला अकादेमी आसेआ मानता प्राप्त 24 भारती भाशाएं च हर ब'रे "बाल साहित्य पुरस्कार" प्रदान करा दी ऐ। एह् पुरस्कार भारती लेखकें आसेआ अकादमी आसेआ मानता प्राप्त भाशाएं च लिखे गेदे ज्याणें आस्तै सभनें शा शानदार कताबें जि'यां;-असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत, संताली, सिंधी, तमिल, तेलुगु ते उर्दू गी दिते जंदे न। एह् पुरस्कार इक शानदार समारोह् च प्रदान कीते जंदे न ते इनाम दे तौरा पर एह् दे च 50, 000 रपेऽ, इक तख्ती ते इक प्रशस्ति पत्तर शामल ऐ।

साहित्य अकादमी भारती लेखकें, लेखकें दे शुभचिंतकें ते प्रकाशकें कोला ब'रा 2025 आस्तै बाल साहित्य पुरस्कार आस्तै अपने आसेआ मानता प्राप्त सभनें 24 भारती भाशाएं च कताबां मंगा करदी ऐ। कताब 9 कोला 16एं ब'रें दे बरेस वर्ग दे लक्षत पाठकें आस्तै होनी चाहिदी ते पैह् ली बारी ब'रे 2019, 2020, 2021, 2022 ते 2023 (यानि 1 जनवरी 2019 ते 31 दिसंबर 2023 दे बिच्च) च प्रकाशत होनी चाहिदी। दरखास्त पत्तर दे कन्नै कताब दियां द'ऊं प्रतियां 16 सितंबर 2024 तक्कर जमा कीतियां जाडन। अनाम दे बारे च मती जानकारी आस्तै, किरपा करियै साढ़ी वैबसाइट पर उपलब्ध बाल साहित्य पुरस्कार नियमें गी दिक्खो www.sahitya-akademi.gov.in

(के. श्रीनिवासराव)
सचिव

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25

17 August 2024

Press Release
Sahitya Akademi Bal Sahitya Puraskar 2025

Sahitya Akademi has been conferring "Bal Sahitya Puraskar" every year since 2010 in 24 Indian languages recognized by the Akademi. The awards have been given to the most outstanding books for children written by Indian writers in the languages recognized by the Akademi, viz., Assamese, Bengali, Bodo, Dogri, English, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Konkani, Maithili, Malayalam, Manipuri, Marathi, Nepali, Odia, Punjabi, Rajasthani, Sanskrit, Santali, Sindhi, Tamil, Telugu and Urdu. These awards are presented at a prestigious ceremony and comprise an amount of Rs.50,000/-, a plaque and a citation.

Sahitya Akademi invites books from Indian writers, well-wishers of the writers and publishers for Bal Sahitya Puraskar for the year 2025 in all the 24 Indian languages recognized by it. The book should be meant for the target readership of 9 to 16 years' age group and first published in the years 2019, 2020, 2021, 2022 and 2023 (i.e., between 1 January 2019 and 31 December 2023) will be considered. Two copies each of the book along with the application form must be submitted latest by 16 September 2024. For further details about the award, please refer to the Bal Sahitya Puraskar Rules available on our website www.sahitya-akademi.gov.in

(K. Sreenivasarao)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

સા.અ.61/બા.સા.પુ./25/

17 ઑગસ્ટ 2024

અખબારી યાદી

સાહિત્ય અકાદેમી બાળ સાહિત્ય પુરસ્કાર 2025

સાહિત્ય અકાદેમી માન્યતાપ્રાપ્ત 24 ભારતીય ભાષાઓમાંની દરેક ભાષામાં 2010થી બાળ સાહિત્ય પુરસ્કારો એનાયત કરી રહી છે. અસમિયા, બંગાળી, બોડો, ડોગરી, અંગ્રેજી, ગુજરાતી, હિન્દી, કન્નડ, કશ્મીરી, કોંકણી, મૈથિલી, મલયાલમ, મણિપુરી, મરાઠી, નેપાળી, ઉડિયા, પંજાબી, રાજસ્થાની, સંસ્કૃત, સંથાલી, સિંધી, તમિળ, તેલુગુ અને ઉર્દૂમાં ભારતીય લેખકો દ્વારા રચાયેલી શ્રેષ્ઠ બાળ સાહિત્ય કૃતિઓને દર વર્ષે બાળ સાહિત્ય પુરસ્કાર એનાયત કરવામાં આવે છે. ભવ્ય સમારંભ યોજીને પુરસ્કાર પ્રદાન કરવામાં આવે છે, જેમાં દરેક પુરસ્કાર વિજેતાને રૂ.૫૦,૦૦૦/-, એક તામ્રપત્ર અને પ્રશસ્તિપત્ર એનાયત કરવામાં આવે છે.

સાહિત્ય અકાદેમી વર્ષ 2025ના બાળ સાહિત્ય પુરસ્કાર માટે ભારતીય લેખકો, તેમના શુભચિંતકો અને પ્રકાશકો પાસેથી તેના દ્વારા માન્યતાપ્રાપ્ત બધી ૨૪ ભારતીય ભાષાઓનાં પુસ્તકો આમંત્રિત કરે છે. પુસ્તક 9થી 16 વર્ષની વય જૂથના વાચકોને લક્ષ્યમાં રાખીને લખાયેલ હોવું જોઈએ અને વર્ષ 2019, 2020, 2021, 2022 અને 2023માં (એટલેકે ૧ જાન્યુઆરી, 2019થી 31 ડિસેમ્બર 2023 વચ્ચે) પ્રથમ વખત પ્રકાશિત થયેલ પુસ્તકોને જ ધ્યાનમાં લેવામાં આવશે. પ્રત્યેક પુસ્તકની 2 નકલ સહિત અરજી ફૉર્મ મોકલવાની અંતિમ તારીખ 16 સપ્ટેમ્બર 2024 છે. પુરસ્કાર સંબંધિત વધુ વિગતો અને બાળ સાહિત્ય પુરસ્કારના નિયમો www.sahitya-akademi.gov.in પર ઉપલબ્ધ છે.

- કે. શ્રીનિવાસરાવ

રવીંદ્ર ભવન, 35 ફ़ીરોઝ़શાહ માર્ગ, નઈ દિલ્લી-110 001, દૂરભાષ : +91-11-2338 7064, 2307 3002, ફૅક્સ : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.61/बा.सा.पु/25/

17 अगस्त 2024

प्रेस विज्ञप्ति
साहित्य अकादेमी बाल साहित्य पुरस्कार 2025

साहित्य अकादेमी अपने द्वारा मान्यताप्रदत्त 24 भारतीय भाषाओं में से प्रत्येक भाषा में 2010 से बाल साहित्य पुरस्कार प्रदान कर रही है। असमिया, बाङ्ला, बोडो, डोगरी, अंग्रेज़ी, गुजराती, हिंदी, कन्नड, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयाळम्, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िआ, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत, संताली, सिंधी, तमिळ, तेलुगु तथा उर्दू में भारतीय लेखकों द्वारा रचित श्रेष्ठ बाल साहित्य कृतियों को प्रतिवर्ष बाल साहित्य पुरस्कार प्रदान किया जाता है। ये पुरस्कार एक भव्य समारोह में प्रदान किए जाते हैं, जिसमें प्रत्येक पुरस्कार विजेता को 50,000/- रुपये की राशि, एक ताम्रफलक और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाते हैं।

साहित्य अकादेमी वर्ष 2025 के बाल साहित्य पुरस्कार के लिए भारतीय लेखकों, उनके शुभचिंतकों और प्रकाशकों से अपने द्वारा मान्यताप्रदत्त सभी 24 भारतीय भाषाओं में पुस्तकें आमंत्रित करती है। पुस्तक 9 से 16 वर्ष के आयुवर्ग के पाठकों को ध्यान में रखकर लिखी होनी चाहिए और वर्ष 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 (अर्थात् 1 जनवरी 2019 और 31 दिसंबर 2023 के बीच) में पहली बार प्रकाशित पुस्तकों पर विचार किया जाएगा। प्रत्येक पुस्तक की 2 प्रतियों के साथ आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 16 सितम्बर 2024 है। पुरस्कार से संबंधित विस्तृत विवरण के लिए कृपया बाल साहित्य पुरस्कार नियम देखें, जो हमारी वेबसाइट www.sahitya-akademi.gov.in पर उपलब्ध है।

(के. श्रीनिवासराव)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

ಎಸ್.ಎ61/ಬಿಎಸ್ಪಿ/25/

ಆಗಸ್ಟ್ 17, 2024

ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆ

ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾದೆಮಿ ಬಾಲ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪುರಸ್ಕಾರ 2025

ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾದೆಮಿಯು 2010 ರಿಂದ ಬಾಲ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪುರಸ್ಕಾರವನ್ನು 24 ಭಾರತೀಯ ಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿ ನೀಡುತ್ತಿದೆ. ಅಸ್ಸಾಮಿ, ಬಂಗಾಳಿ, ಬೋಡೋ, ಡೋಗ್ರಿ, ಇಂಗ್ಲಿಷ್, ಗುಜರಾತಿ, ಹಿಂದಿ, ಕನ್ನಡ, ಕಾಶ್ಮೀರಿ, ಕೊಂಕಣಿ, ಮೈಥಿಲಿ, ಮಲಯಾಳಂ, ಮಣಿಪುರಿ, ಮರಾಠಿ, ನೇಪಾಳಿ, ಒಡಿಯಾ, ಪಂಜಾಬಿ, ರಾಜಸ್ಥಾನಿ, ಸಂಸ್ಕೃತ, ಸಂತಾಲಿ, ಸಿಂಧಿ, ತಮಿಳು, ತೆಲುಗು ಮತ್ತು ಉರ್ದು ಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿ ಭಾರತೀಯ ಬರಹಗಾರರ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮಕ್ಕಳ ಕೃತಿಗಳಿಗೆ ವಾರ್ಷಿಕವಾಗಿ ಬಾಲ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪುರಸ್ಕಾರವನ್ನು ನೀಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಪ್ರಶಸ್ತಿ ವಿಜೇತರು 50,000 ರೂ.ಗಳ ನಗದು ಬಹುಮಾನ, ತಾಮ್ರದ ಫಲಕ ಮತ್ತು ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಪತ್ರವನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿರುವ ಭವ್ಯ ಸಮಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಪ್ರಶಸ್ತಿಗಳನ್ನು ನೀಡಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾದೆಮಿಯು 2025ನೇ ಸಾಲಿನ ಬಾಲ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪುರಸ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಭಾರತೀಯ ಲೇಖಕರು, ಅವರ ಹಿತೈಷಿಗಳು ಮತ್ತು ಪ್ರಕಾಶಕರಿಂದ ಮಾನ್ಯತೆ ಪಡೆದ ಎಲ್ಲಾ 24 ಭಾರತೀಯ ಭಾಷೆಗಳ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಆಹ್ವಾನಿಸಿದೆ. ಈ ಪುಸ್ತಕವು 9 ರಿಂದ 16 ವರ್ಷ ವಯಸ್ಸಿನ ಓದುಗರನ್ನು ಗುರಿಯಾಗಿರಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು ಮತ್ತು 2019, 2020, 2021, 2022 ಮತ್ತು 2023 ವರ್ಷಗಳಲ್ಲಿ (ಅಂದರೆ 2019 ರ ಜನವರಿ 1 ರಿಂದ 2023 ರ ಡಿಸೆಂಬರ್ 31 ರ ನಡುವೆ) ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಪ್ರಕಟವಾದ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಪರಿಗಣಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ. ಪ್ರತಿ ಪುಸ್ತಕದ 2 ಪ್ರತಿಗಳೊಂದಿಗೆ ಅರ್ಜಿ ನಮೂನೆಯನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಲು ಕೊನೆಯ ದಿನಾಂಕ 16 ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ 2024. ಪ್ರಶಸ್ತಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿವರಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಮ್ಮ ಜಾಲತಾಣ www.sahitya-akademi.gov.in ನಲ್ಲಿ ಲಭ್ಯವಿರುವ ಬಾಲ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪುರಸ್ಕಾರ ನಿಯಮಗಳನ್ನು ನೋಡಿ.

(ಕೆ. ಶ್ರೀನಿವಾಸರಾವ್)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

S.A.61/B.S.Pu/25/

17 اگست 2024

پریس ریلیز

ساہتیہ اکادمی بال ساہتیہ پُرسکار 2025

ساہتیہ اکادمی چھےٚ 2010 عیسوی پیٹھہٕ پرتھ ؤریہ اکادمی ہنٛدِ طرفہٕ تسلیم شُدٕ 24 ہن زبانن منٛز بال ساہتیہ پُرسکار دِوان۔ یہِ ایوارڈ چھُ ہندوستانٛی لکھاَرؠ سنٛز تتھ بہترٖین کتابہِ میلان یوس شُرٮ۪ن ہنٛدِ باپتھ لیکھنہٕ آسہِ آمٕژ تہٕ یوسہٕ اکادمی ہنٛز تسلیم شُدٕ ہندوستانٛی زبانٛن منٛز آسہِ۔ مثلاً آسامی، بنگالی، بوڈو، ڈوگری، انگریزی، گجراتی، ہندی، کنڑ، کشمیری، کونکنی، میتھالی، ملیالم، منی پوری، مراٹھی، نیپالی، اڑیا، پنجابی، راجستھانی، سنتھالی، سنسکرت، سندھی، تامل، تلگو تہٕ اردو۔ یہِ ایوارڈ چھِ اَکس پُر وقار تقریبہِ منٛز دِنہٕ یِوان۔ ایوارڈس منٛز چھُ پنٛژاہ ساس روپیہِ نقد، مومنٹو تہٕ سائیٹشن شامل آسان۔

ساہتیہ اکادمی چھےٚ بال ساہتیہ پُرسکار 2025 باپتھ اکادمی ہنٛدِ طرفہٕ تسلیم شُدٕ سارِنے 24 ہن زبانن منٛز پبلشرن تہٕ ہندوستانٛی لکھارٮ۪ن نِشہِ کتابہٕ طلب کران۔ کتاب گژھِ 9 پیٹھہٕ 16 ؤری وانٛسہِ ہنٛدٮ۪ن شُرٮ۪ن باپتھ لیکھنہٕ آمٕژ آسٕنۍ۔ ایوارڈ عملہِ منٛز یِیہ سوے کتاب شامل کَرنہٕ یوس 2019، 2020، 2021، 2022 تہٕ 2023 عیسوی ٲس منٛز (یعنی 1 جنوری 2019 پیٹھہٕ 31 دسمبر 2023 تام) گوڈنکہِ پھِرِ شایع سپز مٕژ آسہِ۔ ایوارڈس منٛز چھُ پنٛژاہ ساس روپیہِ نقد تہٕ مومنٹو شامل۔ درخواست تہٕ پرتھ کُنہِ کتابہِ ہنٛز ژٕ کاپی جمع کرنک آخری تاریخ چھُ 16 ستمبر 2024۔ ایوارڈس متعلق تفصیلات زاننہٕ باپتھ وُچھو مہربٲنی کٔرِتھ بال ساہتیہ پُرسکارکؠ قواعد، یِم ساننہِ ویب سایٹہِ پیٹھ دستیاب چھےٚ۔
www.sahitya-akademi.gov.in

(کے۔ سری نواس راؤ)
سیکریٹری

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.61/बीएसपी/25 17 ओगस्ट 2024

प्रसिद्धी पत्रक

साहित्य अकादेमी बाल साहित्य पुरस्कार 2025

साहित्य अकादेमी आपणें मान्यताय दिल्ल्या 24 भारतीय भाशांनी 2010 वर्सा सावन, दर वर्सा "बाल साहित्य पुरस्कार" दिता. हो पुरस्कार अकादेमीन मान्यताय दिल्ल्या म्हणल्यार आसामी, बंगाली, बोडो, डोगरी, इंग्लीश, गुजराती, हिन्दी, कन्नड, कश्मिरी, कोंकणी, मैथिली, मलयाळम, मणिपुरी, मराठी, नेपाळी, उडिया, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत, संताली, सिंधी, तामीळ, तेलुगू आनी उर्दू ह्या भाशांतल्या भारतीय लेखकांनी भुरग्यां खातीर बरयल्ल्या उत्कृश्ट पुस्तका खातीर दितात. एके प्रतिश्ठीत कार्यावळींत हे पुरस्कार प्रदान करतात आनी रु.50,000/-ची रक्कम, यादस्तीक आनी मानपत्र हांचो तातूंत आसपाव आसा.

साहित्य अकादेमी प्रकाशक तशें साहित्य अकादेमीन मान्यताय दिल्ल्या सगल्या 24 भारतीय भाशांतले भारतीय लेखक आनी तांच्या बरें मागप्यां कडल्यान बाल साहित्य पुरस्कार 2025 खातीर पुस्तकां मागयता. पुस्तक 9 ते 16 वर्सां पिरायेच्या वाचप्यां खातीर बरयल्लें आनी 2019, 2020, 2021, 2022 तशेंच 2023 (म्हणल्यार, 1 जानेवारी 2019 ते 31 डिसेंबर 2023) वर्सांच्या काळांत पुस्तकाची पयली आवृत्ती प्रकाशीत जाल्ली आसूंक जाय. पुस्तकाच्यो दोन प्रती अर्ज फॉर्मा सयत 16 सप्टेंबर 2024 तारखे पयलीं भेटोवप गरजेचें आसा. पुरस्कारा विशींची अदीक माहिती, साहित्य अकादेमीच्या www.sahitya-akademi.gov.in ह्या संकेतथळा वयल्यान मेळोवं येता.

(के. श्रीनिवासराव)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.61/बा.सा.पु./25/

17 अगस्त, 2014

प्रेस विज्ञप्ति

बाल साहित्य पुरस्कार 2025

साहित्य अकादेमी अपना द्वारा मान्यता प्रदत्त 24 भारतीय भाषा मे सँ प्रत्येक भाषा मे 2010 सं बाल साहित्य पुरस्कार बिलहैत आबि रहल अछि। असमिया, बांग्ला, बोडो, डोगरी, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिळ, तेलुगु आ उर्दू मे भारतीय लेखक द्वारा रचल गेल श्रेष्ठ बाल साहित्यक कृति कें प्रति वर्ष बाल साहित्य पुरस्कार प्रदान करैत अछि। ई पुरस्कार एकटा भव्य समारोह मे देल जाइत अछि, जाहि मे प्रत्येक पुरस्कार विजेता कें 50,000 रुपैयाक राशि, एकटा ताम्रफलक आ प्रशस्ति पत्र देल जाइत अछि।

साहित्य अकादेमी वर्ष 2025 केर बाल साहित्य पुरस्कार लेल भारतीय लेखकगण, हुनक शुभचिंतक लोकनि आ प्रकाशक सभसँ अपना द्वारा मान्यताप्राप्त सबटा 24 भारतीय भाषा मे पोथी आमंत्रित करैत अछि। पोथी 9 सँ 16 वर्षक आयु धरिक पाठक कें धियान मे राखि लिखल हेबाक चाही आ वर्ष 2019, 2020, 2021,2022 आ 2023 (अर्थात् 1 जनवरी, 2019 आ 31 दिसंबर, 2023क बीच) मे पहिल बेर प्रकाशित पोथी पर विचार कयल जायत। प्रत्येक पोथीक दू (2) प्रतिक संग आवेदन जमा करबाक अंतिम तिथि 16 सितंबर, 2024 अछि। पुरस्कार सँ संबंधित विस्तृत विवरण लेल कृपया बाल साहित्य पुरस्कार नियम देखी, जे हमर वेबसाइट www.sahitya-akademi.gov.in पर उपलब्ध अछि।

(के. श्रीनिवासराव)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

എസ്എ 61/ബിഎസ്പി/25 ഓഗസ്റ്റ് 17, 2024

പത്രക്കുറിപ്പ്

കേന്ദ്ര സാഹിത്യ അക്കാദമി ബാലസാഹിത്യ പുരസ്കാരം 2025

കേന്ദ്ര സാഹിത്യ അക്കാദമി അംഗീകരിച്ച 24 ഇന്ത്യൻ ഭാഷകൾക്ക് 2010 മുതൽ ബാലസാഹിത്യ പുരസ്കാരം വർഷംതോറും നൽകിവരുന്നുണ്ട്. ആസാമീസ്, ബംഗാളി, ബോഡോ, ഡോഗ്രി, ഇംഗ്ലീഷ്, ഗുജറാത്തി, ഹിന്ദി, കന്നഡ, കശ്മീരി, കൊങ്കണി, മൈഥിലി, മലയാളം, മണിപ്പൂരി, മറാത്തി, നേപ്പാളി, ഒഡിയ, പഞ്ചാബി, രാജസ്ഥാനി, സംസ്കൃതം, ശന്താലി, സിന്ധി, തമിഴ്, തെലുങ്ക്, ഉറുദു എന്നീ ഭാഷകളിൽ ഇന്ത്യൻ എഴുത്തുകാരാൽ രചിക്കപ്പെട്ട മികച്ച ബാലസാഹിത്യ കൃതികൾക്കാണ് പുരസ്കാരം നൽകുന്നത്. 50,000 രൂപയും പ്രശസ്തിപത്രവും അടങ്ങുന്നതാണ് പുരസ്കാരം.

ബാലസാഹിത്യ പുരസ്കാരത്തിന് ഇന്ത്യൻ എഴുത്തുകാരിൽ നിന്നും അവരുടെ അഭ്യുദയകാംക്ഷികളിൽ നിന്നും പ്രസാധകരിൽ നിന്നും മേൽ പറഞ്ഞ 24 ഇന്ത്യൻ ഭാഷകളിലെ പുസ്തകങ്ങൾ കേന്ദ്ര സാഹിത്യ അക്കാദമി ക്ഷണിക്കുന്നു. 2019, 2020, 2021, 2022, 2023 വർഷങ്ങളിൽ (അതായത് 2019 ജനുവരി ഒന്നിനും 2023 ഡിസംബർ 31നും ഇടയിൽ) ആദ്യമായി പ്രസിദ്ധീകരിച്ച പുസ്തകങ്ങൾ പരിഗണിക്കും. ഓരോ പുസ്തകത്തിന്റെയും രണ്ട് പകർപ്പുകൾ സഹിതം അപേക്ഷ സമർപ്പിക്കേണ്ടതാണ്. സമർപ്പിക്കേണ്ട അവസാന തീയതി 2024 സെപ്റ്റംബർ 16 ആണ്. അവാർഡുമായി ബന്ധപ്പെട്ട വിശദാംശങ്ങൾക്കും ബാലസാഹിത്യ പുരസ്കാര നിയമങ്ങൾക്കും www.sahitya-akademi.gov.in ഞങ്ങളുടെ വെബ്സൈറ്റിൽ ലഭ്യമാണ്.

(കെ. ശ്രീനിവാസ റാവു)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25

17 August 2024

প্রেস রিলিজ
সাহিত্য অকাদেমি বাল সাহিত্য পুরস্কার ২০২৫

সাহিত্য অকাদেমিনা ইং ২০১০ দগী হৌনা অকাদেমিনা শকখঙলবা লোন ২৪ দা বাল সাহিত্য পুরস্কারগী মনা অসি লাম্থোক্তুনা লাক্লি। মনা অসি অঙাংশিংদমক্তা ইবা মশক নাইরবা লাইরিকশিংদা পীবনি। সাহিত্য অকাদেমিনা শকখঙলবা অইবশিং খুদম ওইনা আসামি, বেঙ্গলি, বোদো, দোগ্রি, ইংলিস, গুজরাতি, হিন্দি, কান্নাদা, কাসমীরী, কোনকানি, মৈথিলি, মালয়ালম, মণিপুরী, মারাঠি, নেপালি, ওরিআ, পঞ্জাবি, রাজস্থানি, সংস্কৃত, সান্থালি, সিন্ধি, টামিল, টেলেগু, উর্দু, নচিংবা লোনশিংদা মনাশি পীদুনা লাক্লি। মনাশি অকাদেমিগী চীংলেম্লবা থৌরম অমদা লু: ৫০,০০০/- প্লেগ অমসুং সাইটেসনগা লোয়ননা লাম্থোক্কনি।

সাহিত্য অকাদেমিনা ভারতকী অইবশিং, অফোঙবশিংবু পূক্লিং থৌগৎপা ওইনা বাল সাহিত্য পুরস্কার ২০২৫ মনাগীদমক লাইরিকশিং অসি শকখঙলবা লোন ২৪ দগী কৌরি। লাইরিকশিং অদু চহী ৯ দগী ১৬ ফাওবগী মীওইশিংনা পাননবা মীৎয়েং থল্লি। তৌবদি লাইরিকশিং অদু ইং ২০১৯, ২০২০, ২০২১, ২০২২ অমসুং ২০২৩ গী মনুংদা (খুদম ওইনা জানুআরী তাং ১, ২০১৯ অমসুং দিসেম্বর ৩১, ২০২৩) ফোঙবদমক ওইগদবনি। অকাদেমিগী অফিসতা লাইরিক কপি অনী অনী অমদি এপ্লিকেসন ফোর্মগা লোয়ননা থেংলবদা সেপ্তেম্বর তাং ১৬ ইং ২০২৪ ফাওবগী মনুংদা য়ৌহনলক্কদবনি। অকুপ্পা মরোলগীদমক বাল সাহিত্য পুরস্কার রুলসতা য়েংবিনবা অকাদেমিগী ৱেবসাইট www.sahitya-akademi.gov.in দা চংবিয়ু।

(কে. শ্রীনিবাসরাও)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.६१/बा.सा.पु/२५

१७ ऑगस्ट २०२४

प्रसिद्धीपत्रक

साहित्य अकादमी बालसाहित्य पुरस्कार 2025

साहित्य अकादमीने मान्य केलेल्या 24 भारतीय भाषांमधील प्रत्येक भाषेसाठी 2010 पासून बालसाहित्य पुरस्कार प्रदान करण्यात येतो. आसामी, बांगला, बोडो, डोगरी, इंग्रजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मल्याळम, मणिपुरी, मराठी, नेपाळी, उडिया, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिळ, तेलुगु, आणि उर्दू या भाषांमधील भारतीय लेखकांनी निर्माण केलेल्या श्रेष्ठ बालसाहित्य कृतींसाठी दरवर्षी बालसाहित्य पुरस्कार प्रदान केला जातो. हे पुरस्कार एका भव्य समारंभात वितरित केले जातात. यात विजेत्यास 50000 रुपये रोख, ताम्रपट आणि प्रशस्तीपत्र प्रदान केले जाते.

साहित्य अकादमी 2025 या वर्षाच्या बालसाहित्य पुरस्कारासाठी भारतीय लेखक, त्यांचे चाहते आणि प्रकाशकांकडून अकादमीने मान्य केलेल्या 24 भारतीय भाषांमधून पुस्तके मागवत आहे. पुस्तके 9 ते 16 या वयोगटातील वाचकांना नजरेसमोर ठेवून दिलेली असावीत. वर्ष 2019, 2020, 2021, 2022 आणि 2023 (अर्थात दिनांक 1 जानेवारी 2019 ते 31 डिसेंबर 2023 या कालावधीतील) पहिल्यांदा प्रकाशित पुस्तकांचा विचार केला जाईल. ताम्रपट आणि 50 हजार रुपये रोख असे पुरस्काराचे स्वरूप आहे. पुस्तकाच्या दोन प्रतींसह अर्ज सादर करण्याचा अंतिम दिनांक 16 सप्टेंबर 2024 हा आहे. पुरस्कारासंबंधी सविस्तर तपशीलासाठी कृपया बालसाहित्य पुरस्काराचे नियम पहा. आमची वेबसाईट www.sahitya-akademi.gov.in वर ते उपलब्ध आहेत.

(के. श्रीनिवासराव)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ. ६१/बा.सा.पु/२५/ १७ अगस्त, २०२४

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार २०२५

साहित्य अकादेमीले २०१० देखि प्रत्येक २४ भारतीय भाषाहरूमा बाल साहित्य पुरस्कार प्रदान गर्दै आएको छ। असमिया, बंगाली, बोड़ो, डोगरी, अंग्रेजी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पञ्जाबी, राजस्थानी, संस्कृत, सन्ताली, सिन्धी, तमिल, तेलुगु र उर्दूमा भारतीय लेखकहरूद्वारा लिखित उत्कृष्ट बाल साहित्य कृतिलाई प्रत्येक वर्ष बाल साहित्य पुरस्कार प्रदान गरिन्छ।

यी पुरस्कारहरू एक भव्य समारोहमा प्रस्तुत गरिन्छ, जसमा प्रत्येक पुरस्कार प्राप्तकर्तालाई रु ५०,०००/-, स्मृति चिह्न र प्रशंसापत्र प्रदान गरिन्छ। साहित्य अकादेमीले सन् २०२५-को बाल साहित्य पुरस्कारका लागि विभिन्न भारतीय लेखक, शुभचिन्तक र प्रकाशकहरूबाट अकादेमीद्वारा मान्यता पाएका सबै २४ भारतीय भाषाका पुस्तकहरू आमन्त्रण गरिएको छ। पुस्तक ९ देखि १६ वर्षका उमेर समूहका पाठकहरूलाई लक्षित गरी सन् २०१९, २०२०, २०२१, २०२२ र २०२३ (अर्थात् १ जनवरी २०१९ र ३१ दिसम्बर २०२३ बीचमा) पहिलो पटक प्रकाशित पुस्तकहरूलाई छनोट गरिनेछ।

पुरस्कार स्वरूप एक स्मृति चिह्न र रू ५० हजार नगत रुपैयाँ प्रदान गरिनेछ । प्रत्येक पुस्तकको २ प्रति सहित आवेदन फारमका साथ बुझाउनु पर्नेछ जसको अन्तिम मिति २६ सितम्बर २०२४ रहेको छ। पुरस्कार सम्बन्धी विस्तृत विवरणहरूको लागि, कृपया हाम्रो वेबसाइट www.sahitya-akademi.gov.in मा उपलब्ध बाल साहित्य पुरस्कार नियमहरू हेर्नुहोस्।

(के. श्रीनिवासराव)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25

17 August 2024

ପ୍ରେସ ବିଜ୍ଞପ୍ତି

ସାହିତ୍ୟ ଅକାଦେମି ବାଲ୍ ସାହିତ୍ୟ ପୁରସ୍କାର ୨୦୨୫

ସାହିତ୍ୟ ଅକାଦେମି ୨୦୧୦ ମସିହାରୁ ପ୍ରତି ବର୍ଷ ଅକାଦେମି ସ୍ୱୀକୃତ ୨୪ଟି ଭାରତୀୟ ଭାଷାରେ ବାଲ୍ ସାହିତ୍ୟ ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରୁଛି। ଅସମୀୟା, ବଙ୍ଗଳା, ବୋଡ଼ୋ, ଡୋଗ୍ରୀ, ଇଂରାଜୀ, ଗୁଜୁରାଟୀ, ହିନ୍ଦି, କନ୍ନଡ଼, କାଶ୍ମିରୀ, କୋଙ୍କଣୀ, ମୈଥିଳୀ, ମାଲୟାଲମ୍, ମଣିପୁରୀ, ମରାଠୀ, ନେପାଳୀ, ଓଡ଼ିଆ, ପଞ୍ଜାବୀ, ରାଜସ୍ଥାନୀ, ସଂସ୍କୃତ, ସାନ୍ତାଳୀ, ସିନ୍ଧି, ତାମିଲ୍, ତେଲୁଗୁ ତଥା ଉର୍ଦ୍ଦୁ ଭାଷାରେ ଭାରତୀୟ ଲେଖକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ରଚିତ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଶିଶୁ ସାହିତ୍ୟ କୃତିକୁ ପ୍ରତି ବର୍ଷ ବାଲ୍ ସାହିତ୍ୟ ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥାଏ। ଏକ ସମ୍ମାନଜନକ ଉତ୍ସବରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ପୁରସ୍କାର ବିଜେତାଙ୍କୁ ୫୦ ହଜାର ଟଙ୍କା ଅର୍ଥରାଶି ସହ ଏକ ତାମ୍ର ଫଳକ ଓ ମାନପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥାଏ।

ସାହିତ୍ୟ ଅକାଦେମି ୨୦୨୫ ବର୍ଷର ବାଲ୍ ସାହିତ୍ୟ ପୁରସ୍କାର ପାଇଁ ଭାରତୀୟ ଲେଖକ, ଲେଖକଙ୍କର ଶୁଭଚିନ୍ତକ ଏବଂ ପ୍ରକାଶକମାନଙ୍କ ଠାରୁ ଅକାଦେମି ଦ୍ୱାରା ସ୍ୱୀକୃତ ୨୪ଟି ଭାଷାରେ ପୁସ୍ତକ ଆହ୍ୱାନ କରୁଛି। ପୁସ୍ତକଗୁଡ଼ିକ ୯ରୁ ୧୬ ବର୍ଷ ବୟସର ପାଠକମାନଙ୍କୁ ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖି ରଚିତ ହୋଇଥିବା ଆବଶ୍ୟକ। ୨୦୧୯, ୨୦୨୦, ୨୦୨୧, ୨୦୨୨ ଏବଂ ୨୦୨୩ ମସିହାରେ (ଅର୍ଥାତ୍ ୧ ଜାନୁଆରି ୨୦୧୯ରୁ ୩୧ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୨୩ ମଧ୍ୟରେ) ପ୍ରଥମେ ପ୍ରକାଶିତ ପୁସ୍ତକଗୁଡ଼ିକୁ ଏହି ପୁରସ୍କାର ପାଇଁ ବିଚାରକୁ ନିଆଯିବ। ପ୍ରତ୍ୟେକ ବହିର ଦୁଇ କିତା ନକଲ ସହିତ ଆବେଦନ ପତ୍ର ଜମା କରିବାର ଶେଷ ତାରିଖ ୧୬ ସେପ୍ଟେମ୍ବର ୨୦୨୪। ପୁରସ୍କାର ସମ୍ପର୍କିତ ବିସ୍ତୃତ ବିବରଣୀ ପାଇଁ ସାହିତ୍ୟ ଅକାଦେମିର ୱେବ୍‌ସାଇଟ୍ : http://www.sahitya-akademi.gov.in ରେ ଉପଲବ୍ଧ ବାଲ୍ ସାହିତ୍ୟ ପୁରସ୍କାର ନିୟମାବଳୀ ଦେଖିବାକୁ ଅନୁରୋଧ।

(କେ. ଶ୍ରୀନିବାସରାଓ)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

S.A.61/B.S.Pu/25/

17 ਅਗਸਤ 2024

ਪ੍ਰੈਸ ਰਿਲੀਜ਼

ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦੇਮੀ ਬਾਲ ਸਾਹਿਤ ਪੁਰਸਕਾਰ 2025

ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦਮੀ 2010 ਤੋਂ ਇਸ ਦੁਆਰਾ ਮਾਨਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ 24 ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਹਰੇਕ ਵਿੱਚ ਬਾਲ ਸਾਹਿਤ ਪੁਰਸਕਾਰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੀ ਹੈ।। ਅਸਾਮੀ, ਬੰਗਾਲੀ, ਬੋਡੋ, ਡੋਗਰੀ, ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ, ਗੁਜਰਾਤੀ, ਹਿੰਦੀ, ਕੰਨੜ, ਕਸ਼ਮੀਰੀ, ਕੋਂਕਣੀ, ਮੈਥਿਲੀ, ਮਲਿਆਲਮ, ਮਨੀਪੁਰੀ, ਮਰਾਠੀ, ਨੇਪਾਲੀ, ਉੜੀਆ, ਪੰਜਾਬੀ, ਰਾਜਸਥਾਨੀ, ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ, ਸੰਤਾਲੀ, ਸਿੰਧੀ, ਤਾਮਿਲ, ਤੇਲਗੂ ਅਤੇ ਉਰਦੂ ਵਿੱਚ ਭਾਰਤੀ ਲੇਖਕਾਂ ਦੁਆਰਾ ਲਿਖੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸ੍ਰੇਸ਼ਟ ਬਾਲ ਸਾਹਿਤ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਹਰੇਕ ਸਾਲ ਬਾਲ ਸਾਹਿਤ ਪੁਰਸਕਾਰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਪੁਰਸਕਾਰ ਇੱਕ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਸਮਾਗਮ ਵਿਚ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ , ਜਿਸ ਵਿਚ ਹਰੇਕ ਵਿਜੇਤਾ ਨੂੰ 50000/ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਾਸ਼ੀ ਦੇ ਨਾਲ, ਇੱਕ ਯਾਦਗਾਰੀ ਚਿੰਨ੍ਹ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸੰਸਾ ਪੱਤਰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦੇਮੀ ਸਾਲ 2025 ਦੇ ਬਾਲ ਸਾਹਿਤ ਪੁਰਸਕਾਰ ਲਈ ਭਾਰਤੀ ਲੇਖਕਾਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸ਼ੁੱਭਚਿੰਤਕਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕਾਂ ਤੋਂ ਆਪਣੇ ਦੁਆਰਾ ਮਾਨਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਾਰੀਆਂ 24 ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਪੁਸਤਕਾਂ ਆਮੰਤ੍ਰਿਤ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਪੁਸਤਕ 9 ਤੋਂ 16 ਸਾਲ ਦੀ ਉਮਰ ਵਰਗ ਦੇ ਪਾਠਕਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰੱਖ ਕੇ ਲਿਖੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਲ 2019,2020,2021,2022 ਅਤੇ 2023 (ਅਰਥਾਤ 1 ਜਨਵਰੀ 2019 ਅਤੇ 31 ਦਸੰਬਰ 2023 ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ) ਵਿਚ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਪੁਸਤਕਾਂ ਉਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਹਰੇਕ ਪੁਸਤਕ ਦੀਆਂ ਦੋ ਕਾਪੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬਿਨੈ ਪੱਤਰ ਜਮਾਂ ਕਰਵਾਉਣ ਦੀ ਆਖਰੀ ਮਿਤੀ 16 ਸਤੰਬਰ,2024 ਹੈ। ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਵਿਸਥਾਰ ਸਹਿਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਬਾਲ ਸਾਹਿਤ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਿਯਮ ਦੇਖੋ, ਜੋ ਸਾਡੀ ਵੈੱਬਸਾਈਟ **www.sahitya-akademi.gov.in** 'ਤੇ ਉਪਲਬਧ ਹਨ।

(ਕੇ. ਸ੍ਰੀਨਿਵਾਸਰਾਓ)

ਰਵੀਂਦ੍ਰ ਭਵਨ, 35 ਫ਼ੀਰੋਜ਼ਸ਼ਾਹ ਮਾਰਗ, ਨਈ ਦਿਲ੍ਲੀ-110 001, ਦੂਰਭਾਸ਼ : +91-11-2338 7064, 2307 3002, ਫੈਕ੍ਸ : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

S.A.61/B.S.Pu/25/ 17 अगस्त 2024

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी बाल साहित्य पुरस्कार 2025

साहित्य अकादेमी सूं मानिज्योड़ी 24 भारतीय भासावां मांय हरेक भासा में 2010 सूं साहित्य पुरस्कार देय रैई है। असमिया, बांग्ला, बोडो, डोगरी, अंग्रेज़ी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु तथा उर्दू मांय भारतीय लेखकां री रच्योड़ी सांतरी बाल साहित्य रचनावां नै हरेक बरस बाल साहित्य पुरस्कार दीरीजै। अै पुरस्कार अेक जळसै मांय देईजै। इण मांय हरेक पुरस्कार विजेता नै 50,000/– रुपिया, अेक ताम्र पत्र अर प्रसस्ति पत्र भी दिरीजै।

साहित्य अकादेमी बरस 2025 रै बाल साहित्य पुरस्कारां खातर भारतीय लेखकां, वारां सुभतिंतकां अर प्रकासकां सूं अकादमी सूं मानता दिरीज्योड़ी सगळी 24 भारतीय भासावां मांय पुस्कां रौ तेड़ौ देवै है। अै पोथ्यां 9 सूं 16 बरस उमर बरग रै बांचणगळा नै ध्यान में राख'र लिखी हुवणी चाइजै अर बरस 2019, 2020, 2021, 2022 अर 2023 (मतलब 1 जनवरी 2019 अर 31 अदसम्बर 2023 रै बिचाळें) मांय पैली दफै प्रकासित पोथ्यां माथै विचार करीजैला। हरेक पोथीरी 2 प्रतियां सार्गे आवेदन पत्र जमा करनै री आखिरी तारीख 16 सितम्बर 2024 है। पुरस्कार सूं जुड़योड़ी सगळी बातां अर विवरण खातर अरज है कै बाल साहित्य पुरस्कार रा नियम बांचौ, जका अकादमी री वैबसाइट www.sahitya-akademi.gov.in माथै मिलसी।

(के. श्रीनिवासराव)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.61 / बीएसपी / 25

17 अगस्त 2024

समाचार विज्ञप्तिः

साहित्य अकादेमी–बालसाहित्यपुरस्कारः 2025

साहित्य अकादेमी स्वमान्यताप्राप्तासु चतुर्विंशतिभारतीयभाषासु प्रत्येकं भाषायाम् ई.वी. 2010 वर्षात् क्रमादेव बालसाहित्यपुरस्कारं प्रतिवर्षं वितरति। असमिया, बाङ्ग्ला, बोडो, डोगरी, अंग्रेजी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम्, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पञ्जाबी, राजस्थानी, संस्कृतं, सन्ताली, सिन्धी, तमिल, तेलुगु, उर्दू भाषासु भारतीयलेखकैः प्रणीताभ्यः श्रेष्ठबालसाहित्यकृतिभ्यः प्रतिवर्षं बालसाहित्यपुरस्कारः प्रदीयते। अयं पुरस्कारः एकस्मिन् सम्यगायोजिते रमणीये समारोहे प्रदीयते, यत्र विजेत्रे एकेन ताम्रफलकेन सह 50,000 / – रूप्यकाणां राशिः, प्रशस्तिपत्रं च समर्प्यते।

साहित्य अकादेमी ई.वी. 2025 वर्षस्य बालसाहित्यपुरस्कारप्रदानाय भारतीयलेखकेभ्यः, तेषां शुभेच्छुभ्यः, प्रकाशकेभ्यश्च मान्यताप्राप्ताभिः चतुर्विंशति–भाषाभिः प्रणीतानि पुस्तकान्यामन्त्रयति। पुस्तकानि नव–वर्षवयसः षोडशवर्षवयो यावद् वयोवर्गीयपाठकानां कृते रचितानि स्युः। पुस्तकानि च ई.वी. 2019, 2020, 2021, 2022, 2023 (अर्थात् ई.वी. 2019 जनवरी 01 दिनाङ्क – ई.वी. 2023 दिसम्बर 31 दिनाङ्कमध्यावधौ) प्रकाशितानि विचारयिष्यन्ते । पुरस्काररूपेण एकं ताम्रफलकं, 50,000 / – रूप्यकाणां राशिश्च प्रदास्येते। प्रत्येकं पुस्तकस्य प्रतिद्वयम्, आवेदनपत्रं च ई.वी. 2024, सितम्बर 16 दिनाङ्काभ्यन्तरे एव साहित्य अकादेम्यां प्रापणीयम्। पुरस्कारसम्बद्धं विस्तृतं विवरणं कृपया बालसाहित्यपुरस्कारनियमेषु द्रष्टव्यं, ये अकादेम्याः वेबसाइट **www.sahitya-akademi.gov.in** उपरि उपलब्धाः सन्ति।

(के. श्रीनिवासरावु)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25

17 August 2024

[illegible]

[illegible] 2024

[illegible] 60,000/- [illegible]

[illegible] www.sahitya-akademi.gov. in [illegible]

([illegible])

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25

17 August 2024

پريس رليز
ساهت اڪادمي ٻال ساهتيہ پرسڪار 2025

ساهتيہ اڪادمي پنهنجي پاران مڃتا حاصل ڪيل 24 پارتي ٻولين مان هرهڪ ٻوليءَ ۾ 2010 کان ٻال ساهتيہ پرسڪار ڏيندي رهي آهي. آسامي، بينگالي، بوڊو، ڊوگري، انگريزي، گجراتي، هندي، ڪنڙ، ڪشميري، ڪونڪڻي، مئٿلي، مليالم، مڻيپوري، مراٺي، نيپالي، اُڙيا، پنجابي، راجستاني، سنٿالي، سنسڪرت، سنڌي، تامل، تيلگو ۽ اُردو جي ليکڪن طرفان رچيل بهترين پستڪ کي هر سال ٻال ساهتيہ پرسڪار عطا ڪيو ويندو آهي. هيءَ پرسڪار هڪ شاندار جلسي ۾ عطا ڪيو ويندو آهي. جنهن ۾ هر اِنعام کٽيندڙ کي روپيہ -/50000 تامر پتر ۽ سنمان پتر ڏنو ويندو آهي.

ساهتيہ اڪادمي سال 2025 جي ٻال ساهتيہ پرسڪار لاءِ مڃتا حاصل ڪيل سيني پارتي 24 ٻولين جي ليکڪن، هنن جي شيچنتڪن ۽ ڇپائيندڙن وٽان پستڪ گهرائي رهي آهي. اُهو ڪتاب 9 کان 16 ورهين جي ٻال پانڪ کي ڌيان ۾ رکي لکيل هئڻ گهرجي. سال 2019، 2020، 2021، 2022 ۽ 2023 (يعني 1 جنوري 2019 ۽ 31 ڊسمبر 2023 جي وچ ۾ پهريون دفعو شايع ٿيل هئڻ گهرجي) پرسڪار ۾ تامر پتر سان گڏ روپيہ -/50000 عطا ڪيا ويندا. ڪتاب جون 2 ڪاپيون 16 سيپٽمبر 2024 تائين موڪلڻيون آهن. پرسڪار جي باري ۾ وڌيڪ ڄاڻ لاءِ ٻال ساهتيہ پرسڪار نيم اَسانجي ويب سائيٽ www.sahitya-akademi.gov.in تي ڏنل آهن.

(سيڪريٽري)
ساهتيہ اڪادمي، نئين دهلي

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/BSP/25 17 August 2024

பத்திரிக்கைச் செய்தி

சாகித்திய அகாதெமி பால் சாகித்திய புரஸ்கார் 2025

சாகித்திய அகாதெமி 2010 முதல் அங்கீகரிக்கப்பட்ட 24 இந்திய மொழிகளிலும் "பால் சாகித்திய புரஸ்கார்" விருதினை வழங்கி வருகிறது. அஸ்ஸாமி, பெங்காலி, போடோ, டோக்ரி, ஆங்கிலம், குஜராத்தி, இந்தி, கன்னடம், காஷ்மீரி, கொங்கனி, மைதிலி, மலையாளம், மணிப்பூரி, மராத்தி, நேபாளி, ஒடியா, பஞ்சாபி, ராஜஸ்தானி, சமஸ்கிருதம், சந்தாலி, சிந்தி, தமிழ், தெலுங்கு மற்றும் உருது.ஆகிய அங்கீகரிக்கப்பட்ட மொழிகளில் இவ்விருது வழங்கப்பட்டு வருகிறது. ₹50,000 பண ரொக்கம், பொறிக்கப்பட்ட செப்பு விருதுப்பலகை மற்றும் விருது ஆவணப் பத்திரம் கூடிய இவ்விருது ஒரு ஒரு மதிப்புமிக்க விழாவில் வழங்கப்படுகிறது. 2025 விருதிற்கு அங்கீகரிக்கப்பட்ட 24 மொழிகளிலும் அழைக்கிறது.

2025 ஆம் ஆண்டிற்கான சாகித்திய அகாதெமி பால் சாகித்திய புரஸ்கார் விருதிற்கு தமிழ் உட்பட 24 இந்திய மொழிகளிலும் இந்திய எழுத்தாளர்கள், எழுத்தாளர்களின் நலன் விரும்பிகள் மற்றும் வெளியீட்டாளர்களிடமிருந்தும் புத்தகங்கள் வரவேற்கப்படுகின்றன. 2019, 2020, 2021, 2022 மற்றும் 2023 (அதாவது, ஜனவரி 1, 2019 மற்றும் டிசம்பர் 31, 2023 க்கு இடையில்) முதலில் வெளியிடப்பட்ட மற்றும் 9 முதல் 16 வயது வரையிலான வாசகர்களுக்கான புத்தகங்கள் மட்டுமே விருதுக்குப் பரிசீலிக்கப்படும். விண்ணப்பப் படிவத்துடன் புத்தகத்தின் தலா இரண்டு பிரதிகள் 16 செப்டம்பர் 2024 க்குள் சமர்ப்பிக்கப்பட வேண்டும். விருதைப் பற்றிய கூடுதல் விவரங்களுக்கு, www.sahitya-akademi.gov.in என்ற இணையதளத்தில் உள்ள பால் சாகித்திய புரஸ்கார் விதிகளைப் பார்க்கவும்.

(கே. ஸ்ரீனிவாசராவ்)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

ఎస్ఏ 61/బీఎస్పీ/25

17 ఆగష్టు 2024

పత్రికా ప్రకటన

సాహిత్య అకాదెమీ బాల సాహిత్య పురస్కారం 2025

సాహిత్య అకాదెమీ 2010 నుంచి తాను గుర్తించిన 24 భారతీయ భాషల్లో బాల సాహిత్య పురస్కారాన్ని అందిస్తోంది. అస్సామీ, బెంగాలీ, బోడో, డోగ్రీ, ఇంగ్లీష్, గుజరాతీ, హిందీ, కన్నడ, కాశ్మీరీ, కొంకణీ , మైథిలీ, మలయాళం, మణిపురీ, మరాఠీ, నేపాలీ, ఒడియా, పంజాబీ, రాజస్థానీ, సంస్కృతం, సంతాలీ, సింధీ, తమిళం, తెలుగు, ఉర్దూ భాషల్లో భారతీయ రచయితల ఉత్తమ బాలల రచనలకు ఏటా బాల సాహిత్య పురస్కారం ఇస్తారు. ఈ అవార్డు కింద ప్రతి అవార్డు గ్రహీతకు రూ. 50,000 నగదు బహుమతి, రాగి ఫలకం, ప్రశంసాపత్రం అందజేస్తారు.

సాహిత్య అకాదెమీ 2025 సంవత్సరానికి గాను భారతీయ రచయితలు, వారి శ్రేయోభిలాషులు, ప్రచురణకర్తల నుండి గుర్తింపు పొందిన మొత్తం 24 భారతీయ భాషల పుస్తకాలను బాల సాహిత్య పురస్కారానికి ఆహ్వానిస్తోంది. 9 నుంచి 16 ఏళ్ల మధ్య వయసున్న పాఠకులను లక్ష్యంగా చేసుకుని 2019, 2020, 2021, 2022, 2023 సంవత్సరాల్లో (అంటే 2019 జనవరి 1 నుంచి 2023 డిసెంబర్ 31 మధ్య) తొలిసారి ప్రచురించిన పుస్తకాలను పరిగణనలోకి తీసుకుంటారు. ఒక్కో పుస్తకం 2 కాపీలతో దరఖాస్తు చేసుకోవడానికి చివరి తేదీ 16 సెప్టెంబర్ 2024. ఈ అవార్డుకు సంబంధించిన వివరాలకు మా వెబ్ సైట్ www.sahitya-akademi.gov.in లో అందుబాటులో ఉన్న బాల సాహిత్య పురస్కార నిబంధనలు చూడండి.

(కె. శ్రీనివాసరావు)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

SA.61/B.S.Pu/25/

17 اگست 2024

پریس ریلیز

ساہتیہ اکادمی بال ساہتیہ پرسکار 2025

ساہتیہ اکادمی اپنے ذریعے تسلیم شدہ 24 ہندستانی زبانوں میں سے ہر ایک زبان میں 2010 سے بال ساہتیہ پُرسکار دے رہی ہے۔ آسامی، بنگالی، بوڈو، ڈوگری، انگریزی، گجراتی، ہندی، کنڑ، کشمیری، کونکنی، میتھلی، ملیالم، مراٹھی، نیپالی، اُڑیہ، پنجابی، راجستھانی، سنسکرت، سنتھالی، سندھی، تمل، تیلگو اور اردو میں ہندستانی زبانوں کی بہترین ادبی تخلیقات کو ہر سال بال ساہتیہ پُرسکار دیا جاتا ہے۔ یہ پُرسکار ایک پروقار تقریب کے دوران پیش کیا جاتا ہے جس میں ہر ایوارڈ یافتہ کو 50,000 روپے نقد، ایک کانسے کی شیلڈ اور توصیف نامہ پیش کیا جاتا ہے۔

ساہتیہ اکادمی 2025 کے بال ساہتیہ پُرسکار کے لیے ہندستانی ادیبوں، ان کے خیرخواہوں اور ناشرین سے اپنی تسلیم شدہ تمام 24 ہندستانی زبانوں میں کتابیں مدعو کرتی ہے۔ کتاب 9 برس سے 16 برس کی عمر کے قارئین کو دھیان میں رکھ کر لکھی گئی ہونی چاہیے اور سال 2019، 2020، 2021، 2022 اور 2023 (یعنی یکم جنوری 2019 سے 31 دسمبر 2023 کے درمیان) میں پہلی مرتبہ شائع کتابوں پر غور کیا جائے گا۔ کتاب کی دو جلدوں کے ساتھ درخواست جمع کرنے کی آخری تاریخ 16 ستمبر 2024 ہے۔ پُرسکار سے متعلق تفصیلی معلومات کے لیے براہ کرم بال ساہتیہ پرسکار ضوابط دیکھیں جو اکادمی ویب سائٹ www.sahitya-akademi.gov.in پر دستیاب ہیں۔

(کے. سری نواس راؤ)
سکریٹری

SAHITYA AKADEMI
RABINDRA BHAVAN
35, FEROZESHAH ROAD, NEW DELHI – 110 001
☏ 011-23386626/23387064, Email: secretary@sahitya-akademi.gov.in

Bal Sahitya Puraskar 2025

Name of the Book	
Language in which the book is written	
Name of the author (Pen Name, if any)	
Nationality of the author	
Year of first publication of the book	
Genre of the Book	
Number of pages (excluding cover pages)	
Whether the book written for target readership of 9 to 16 years' age group	**Yes / No**
Address of the author, contact number and email ID	
Address of the publisher, contact number and email ID	

I hereby certify that the information furnished above is true to the best of knowledge and belief. I also undertake that if the above information is found to be incorrect at any stage of the award process, my application shall be rejected by the Akademi without assigning any reason.

Place:
Date: (Signature)

साहित्य अकादेमी
SAHITYA AKADEMI
RABINDRA BHAVAN
35, FEROZESHAH ROAD
NEW DELHI – 110 001
☏ 011-23386626/23387064, Email: secretary@sahitya-akademi.gov.in

Bal Sahitya Puraskar 2025

You may send your entries for the following languages to the following addresses:-

Head Office Secretary Sahitya Akademi, Rabindra Bhavan, 35, Ferozeshah Road, New Delhi – 110 001 Tel: 011-23386626/27/28	Dogri English Hindi Kashmiri Maithili Punjabi Rajasthani Sanskrit Urdu
Bengaluru Office Incharge, Sahitya Akademi, Opposite Kala Grama, Next to Petrol Pump, Old Outer Ring Road, Jnanajyoti Nagar, Mallathahalli, Bengaluru - 560 056 Tel: 080-22245152, 22130870	Kannada Malayalam Tamil Telugu
Kolkata Office Incharge, Sahitya Akademi, 4, D. L. Khan Road Kolkata – 700 025 Tel: 033-24198683/24191705	Assamese Bengali Bodo Manipuri Nepali Odia Santali
Mumbai Office Incharge, Sahitya Akademi, 172, Mumbai Marathi Granth Sangrahalaya Marg, Sharada Cinema Building Dadar (East) Mumbai – 400 014 Tel: 022-24135744/24131948	Gujarati Konkani Marathi Sindhi

साहित्य अकादेमी
रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोजशाह मार्ग, नई दिल्ली-110001
☏ 011-23386626/23387064, ई-मेल-secretary@sahitya-akademi.gov.in

बाल साहित्य पुरस्कार 2025

पुस्तक का नाम	
जिस भाषा में पुस्तक लिखी गई है	
लेखक का नाम **(पेन नाम, अगर है तो)**	
लेखक की राष्ट्रीयता	
पुस्तक के प्रथम प्रकाशन का वर्ष	
पुस्तक की विधा	
पृष्ठों की संख्या (आवरण पृष्ठों को छोड़कर)	
क्या पुस्तक 9 से 16 वर्ष के आयुवर्ग के पाठकों के लिए लिखी गई है	**हाँ / नहीं**
लेखक का पता, टेलीफोन/मोबाइल नंबर और ई-मेल:	
प्रकाशक का पता, टेलीफोन/मोबाइल नंबर और ई-मेल:	

मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा ऊपर दी गई जानकारी सही है। मैं यह भी मानता/मानती हूँ कि यदि उक्त जानकारी पुरस्कार प्रक्रिया के किसी चरण में गलत पाई जाती है, तो मेरा आवेदन बिना कोई कारण बताए अकादेमी द्वारा निरस्त कर दिया जाएगा।

स्थान:

दिनांक:

(हस्ताक्षर)

साहित्य अकादेमी
रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोजशाह मार्ग, नई दिल्ली-110001
☏ 011-23386623/23387064, ई-मेल: secretary@sahitya-akademi.gov.in

बाल साहित्य पुरस्कार 2025

आप निम्नलिखित भाषाओं की अपनी प्रविष्टियों को यथा-उल्लिखित पते पर भेज सकते हैं:-

प्रधान कार्यालय सचिव, साहित्य अकादेमी, रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह रोड, नई दिल्ली-110001 दूरभाषः011-23386626/28	डोगरी अंग्रेज़ी हिंदी कश्मीरी मैथिली पंजाबी राजस्थानी संस्कृत उर्दू
बेंगळूरु कार्यालय प्रभारी, साहित्य अकादेमी क्षेत्रीय कार्यालय, कला ग्राम के सामने, पेट्रोल पंप के बगल में, पुराना आउटर रिंग रोड, ज्ञानज्योति नगर, मल्लतहळ्ळी, बेंगळूरु -560056 दूरभाषः 080-22245152, 22130870	कन्नड़ मलयाळम् तमिळ तेलुगु
कोलकाता कार्यालय प्रभारी, साहित्य अकादेमी क्षेत्रीय कार्यालय, 4, डी. एल. खान मार्ग, कोलकाता – 700 025 दूरभाषः 033-24198683/24191705	असमिया बाङ्ला बोडो मणिपुरी नेपाली ओड़िआ संताली
मुंबई कार्यालय प्रभारी, साहित्य अकादेमी क्षेत्रीय कार्यालय, 172, मुंबई मराठी ग्रन्थ संग्रहालय मार्ग, शारदा सिनेमा भवन, दादर (पूर्व) मुंबई – 400 014 दूरभाषः 022-24135744/24131948	गुजराती कोंकणी मराठी सिंधी

साहित्य अकादेमी / SAHITYA AKADEMI
रवीन्द्र भवन / Rabindra Bhavan
35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली- 110001 / 35, Ferozeshah Road, New Delhi- 110001
दूरभाष / Tel: +91-11-23386626, +91-11-23387064
ई-मेल / E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in
वेबसाइट / Website: http://www.sahitya-akademi.gov.in

SA. 61/20/ABSP 12 March 2024

साहित्य अकादेमी वार्षिक बाल साहित्य पुरस्कार नियम
THE ANNUAL SAHITYA AKADEMI BAL SAHITYA PURASKAR RULES

1. सामान्य

1. नियम 1(2) के अंतर्गत पुरस्कार वर्ष के तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष के पहले पाँच वर्षों में साहित्य अकादेमी (इसके पश्चात् जिसे अकादेमी कहा जाएगा) द्वारा मान्यता प्रदत्त भाषाओं में से किसी भी भाषा में भारतीय लेखक की प्रकाशित सर्वोत्कृष्ट बाल साहित्यिक कृति के लिए प्रत्येक वर्ष एक पुरस्कार होगा।
   उदाहरण: 2025 के पुरस्कार के लिए, 2019 से 2023 के मध्य प्रकाशित पुस्तकें ही विचारणीय होंगी।
2. नियम 5(1) के अंतर्गत गठित जूरी की राय में यदि किसी भाषा में पुरस्कार वर्ष के पूर्ववर्ती पाँच वर्षों में प्रकाशित कोई पुस्तक पुरस्कार के योग्य नहीं पाई जाती तो उस वर्ष उस भाषा के लिए पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।
3. पुरस्कार के रूप में लेखक को उतनी राशि प्रदान की जाएगी, जितनी अकादेमी समय-समय पर निर्धारित करेगी। पुरस्कार राशि के अतिरिक्त एक प्रशस्ति-पत्र भी प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें पुस्तक के वैशिष्ट्य तथा अपनी भाषा और साहित्य में लेखक के योगदान की संक्षेप में चर्चा होगी।
4. लेखक की राष्ट्रीयता भारतीय होनी चाहिए तथा उसकी पुस्तक का प्रकाशक दुनिया में कहीं से भी हो सकता है।
5. दोहरी नागरिकता वाले लेखक पुरस्कार के लिए विचारणीय नहीं हैं। प्रवासी भारतीय तथा भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) पुरस्कार के लिए विचारणीय नहीं हैं।
6. साहित्य अकादेमी पुरस्कारों की किसी भी श्रेणी में पुरस्कार लेखक को जीवन में केवल एक बार एक ही भाषा में दिया जाएगा।
7. पुरस्कार के लिए केवल तभी विचार किया जाएगा जब चयन की अंतिम प्रक्रिया में कम-से-कम तीन पुस्तकें हों।

1. General

1. Subject to the provision of rule 1(2), there shall be an award every year for the most outstanding book by an Indian author, first published in any of the languages recognized by Sahitya Akademi (hereafter referred to as the Akademi) during the five years prior to the year, immediately preceding the year of the award.
   Illustration: For the award of 2025, books published between 2019 and 2023 would be considered.
2. The award for any language may not be given during any year if, in the opinion of the Jury constituted in pursuance of rule 5(1), no book published in that language during the five years preceding the year of the award merits the award.
3. The award shall consist of such amount as the Akademi may from time to time decide besides a citation that brings out, briefly, the book's significance and its author's contribution to his/her language and literature.
4. The author must be of Indian nationality, and the publisher of his/her book may be from anywhere in the world.
5. Author having dual citizenship is not eligible for the award. Non-Resident Indians and Persons of Indian Origin (PIO) are not eligible for the award.
6. The award in any categories of Sahitya Akademi awards shall be given to the author only once in a lifetime in one language only in that category.
7. The award will be considered only if there is minimum of three books in the final stage of selection.

2. पुरस्कार के लिए विचारणीयता के मानदंड

1. पुरस्कार के विचारार्थ होने के लिए कृति का संबद्ध भाषा तथा साहित्य में विशिष्ट योगदान होना चाहिए। पुस्तक सर्जनात्मक हो, किंतु निम्नलिखित में से किसी भी श्रेणी की नहीं होनी चाहिए:-
   (क) अनूदित कृति; अथवा
   (ख) विभिन्न लेखकों का संचयन; अथवा
   (ग) संक्षिप्त; अथवा
   (घ) विश्वविद्यालय या परीक्षा की उपाधि के लिए तैयार किया गया प्रबंध या शोध-कार्य; अथवा
   (ङ) आलोचना, रीडर(संचयन) और पाठ्य पुस्तकें; अथवा
   (च) ऐसे लेखक की कृति जो अकादेमी के कार्यकारी मंडल का सदस्य है; अथवा
   (छ) भाषा सम्मान प्राप्तकर्ता।

2. किसी भी मिथक या कहानी की बच्चों हेतु पुनर्सर्जना या रूपांतरण पुरस्कार हेतु योग्य है।
3. पूर्व प्रकाशित पुस्तकों की रचनाओं से तैयार नया संग्रह अथवा पूर्व प्रकाशित पुस्तकों के संशोधित संस्करण पुरस्कार हेतु विचारणीय नहीं होंगे, तथापि पुस्तक में शामिल रचनाओं का 75 प्रतिशत भाग यदि पहली बार प्रकाशित हुआ है तो उस स्थिति में वह पुस्तक पुरस्कार हेतु विचारणीय हो सकती है।
4. यदि पुस्तक में सम्मिलित भाग अपने आप में पूर्ण हो तो वह पुरस्कार हेतु विचारणीय हो सकती है।
5. लेखक की मृत्यु के बाद प्रकाशित कृति केवल तभी पुरस्कार के लिए विचारार्थ होगी, यदि लेखक की मृत्यु पुरस्कार के लिए निर्धारित पाँच वर्ष के भीतर या बाद में हुई हो।
   उदाहरण: यदि लेखक की मृत्यु वर्ष 2019 से पूर्व की हो, उस स्थिति में उसकी कृति, वर्ष 2025 के पुरस्कार हेतु विचारणीय नहीं होगी।

6. ऐसी पुस्तक/लेखक पुरस्कार के अयोग्य होगी, जिसके संबंध में कार्यकारी मंडल को विश्वास हो जाए कि उसे पुरस्कार दिलाने के लिए समर्थन जुटाया गया है।
7. पुस्तक 9 से 16 वर्ष के आयुवर्ग के पाठकों को ध्यान में रखकर लिखी होनी चाहिए।
8. यूनेस्को के दिशानिर्देशों के अनुसार, एक पुस्तक न्यूनतम 49 पृष्ठों (कवर पृष्ठों को छोड़कर) की होनी चाहिए।
9. 1 जनवरी 2025 से पहली बार प्रकाशित पुस्तकों के संदर्भ में सभी पुरस्कारों के लिए आईएसबीएन अनिवार्य है।
10. स्व-प्रकाशन (लेखक प्रकाशक भी है) सभी पुरस्कारों के लिए विचारणीय हो सकते हैं, बशर्ते उनका आईएसबीएन हो। इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकें (ई-बुक) पुरस्कार के लिए विचारणीय नहीं हैं।
11. दो या दो से अधिक भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकें पात्र नहीं हैं। एकल भाषा में पुस्तकें (साहित्य अकादेमी

2. Criteria of eligibility for the Award

1. In order to be eligible for the award, the Children's book must be an outstanding contribution to the language and literature to which it belongs. The book may be creative work but must not be:-
   (a) a work of translation; or
   (b) an anthology of multiple authors; or
   (c) an abridgement; or
   (d) a treatise or research work prepared for a university degree or any examination; or
   (e) Criticism, Readers & Text books; or
   (f) the work of an author who is a member of the Executive Board of the Akademi; or
   (g) a recipient of Bhasha Samman.

2. An adaptation or recreation of any myth or story presented for children is eligible.
3. A fresh collection of writings published earlier in book form, or revised editions of books published earlier, are not eligible for the award. However, if at least 75% of the work included in a collection has been published for the first time in book form, it can be considered for the award.
4. Any section of an integrated work is complete by itself as a book can be considered for the award.
5. A posthumous publication is eligible for the award only if the author has died within the five-year period stipulated for the award or later.
   Illustration: An author who has died before 2019 would not be eligible for the award of 2025.

6. A book/writer shall be disqualified for the award if it is established to the satisfaction of the Executive Board that canvassing has been done by the author.
7. The book is meant for the target readership of 9 to 16 years' age group.
8. As per the UNESCO guidelines, a book should be of minimum 49 pages (excluding the cover pages).
9. ISBN is mandatory for all the awards for the books first published from 1 January 2025.
10. Self-publications (author is also a publisher) can be eligible for all awards so long as they have ISBN. Electronic books (E-books) are not eligible for the award.
11. Books published in two or more languages are not eligible. Books in single language (in the following language script recognized by Sahitya Akademi) are eligible for the award: -

द्वारा मान्यता प्रदत निम्नलिखित लिपि-भाषा में) पुरस्कार के लिए विचारणीय हैं: -

असमिया में असमिया, बाङ्ला में बाङ्ला, देवनागरी में बोडो, देवनागरी में डोगरी, रोमन में अंग्रेज़ी, गुजराती में गुजराती, देवनागरी में हिंदी, कश्मीरी में कश्मीरी, कन्नड में कन्नड, देवनागरी में कोंकणी, देवनागरी में मैथिली, मलयाळम् में मलयाळम्, मणिपुरी में मणिपुरी, देवनागरी में मराठी, देवनागरी में नेपाली, ओड़िआ में ओड़िआ, गुरुमुखी में पंजाबी, देवनागरी में राजस्थानी, ओल चिकी में संताली, देवनागरी में संस्कृत, फ़ारसी-अरबी में सिंधी, तमिळ में तमिळ, तेलुगु में तेलुगु तथा फ़ारसी-अरबी में उर्दू।

12. अकादेमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें अनुवाद पुरस्कार सहित सभी अकादेमी पुरस्कारों के लिए विचारणीय नहीं होंगी।
13. एक से अधिक लेखकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें तथा एक से अधिक लेखकों के संकलन इस पुरस्कार के लिए विचारणीय नहीं हैं।
14. ऐसे लेखक की पुस्तक पुरस्कार के लिए पात्र नहीं होगी, जो साहित्य अकादेमी का महत्तर सदस्य, पूर्व अध्यक्ष, कार्यरत कर्मचारी हो।
15. पुरस्कार केवल पुस्तक पर दिए जाएँगे, तथा बाल साहित्य में किसी लेखक के संपूर्ण योगदान पर पुरस्कार नहीं दिए जाएँगे।

3. विज्ञापनों का प्रकाशन, पुस्तकों की अर्हता तथा पुस्तकों के लिए भाषा परामर्श मंडल के सदस्यों की संस्तुतियाँ प्राप्त करना

(1) अकादेमी प्रत्येक वर्ष अपने द्वारा मान्यता प्रदत्त 24 भारतीय भाषाओं के उन भारतीय लेखकों द्वारा लिखित उनकी श्रेष्ठ पुस्तकों को पुरस्कृत करने हेतु समाचार पत्रों के साथ-साथ साहित्यिक पत्रिकाओं में विज्ञापनों का प्रकाशन करेगी।

(2) लेखकों, प्रकाशकों तथा लेखकों के शुभचिंतकों द्वारा विचारणीय पुस्तकों को अकादेमी में विचारार्थ जमा किया जा सकता है।

(3) प्रकाशक अपनी इच्छानुसार चाहे जितनी भी पुस्तकें भेज सकते हैं।

(4) लेखकों द्वारा जमा की गई पुस्तकों को लेखकों, शुभचिंतकों अथवा प्रकाशकों को वापस नहीं किया जाएगा तथा पुरस्कार प्रक्रिया से संबंधित पत्राचार का कोई उत्तर नहीं दिया जाएगा।

(5) छद्म नाम/उपनाम से लिखी गई कृति के संदर्भ में लेखक को स्व-घोषणा प्रस्तुत करनी होगी।

(6) प्राप्त पुस्तकों की सूची तथा समस्त 24 भारतीय भाषाओं की सुयोग्य पुस्तकों की सूची संबद्ध भाषा परामर्श मंडल के (संयोजक सहित) सभी सदस्यों को इस अनुरोध के साथ भेजी जाएगी कि वे अकादेमी

Assamese in Assamese, Bengali in Bengali, Bodo in Devanagari, Dogri in Devanagari, English in Roman, Gujarati in Gujarati, Hindi in Devanagari, Kashmiri in Kashmiri, Kannada in Kannada, Konkani in Devanagari, Maithili in Devanagari, Malayalam in Malayalam, Manipuri in Manipuri, Marathi in Devanagari, Nepali in Devanagari, Odia in Odia, Punjabi in Gurumukhi, Rajasthani in Devanagari, Santali in Ol Chiki, Sanskrit in Devanagari, Sindhi in Perso-Arabic, Tamil in Tamil, Telugu in Telugu and Urdu in Perso-Arabic.

12. The books published by the Akademi shall not be eligible for all the Akademi awards including Translation Prize.
13. Books written by multiple authors and compilations of multiple authors are not eligible for the award.
14. The book of an author who is a Fellow, former President, working staff/employee of Sahitya Akademi is not eligible.
15. The award shall be given only to the book, and there shall be no award for total contribution to children's literature by an author in any language recognised by the Akademi.

3. Publication of the advertisement, eligibility of the books and obtaining recommendations from members of the Language Advisory Board

(1) The Akademi shall every year publish advertisements in newspapers as well as in literary magazines in each of the 24 Indian languages inviting the best book by Indian writers for the award.

(2) The writers themselves, publishers and well-wishers of the writers can submit entries for the Award for the consideration of the Akademi.

(3) The publishers can send as many books as they desire.

(4) The books so submitted will not be returned to the authors, well-wishers or publishers and no correspondence will be entertained regarding the award process.

(5) For the purpose of submitting a work written under a pseudonym/pen-name, the author must submit a self-declaration.

(6) The list of books received and found eligible in all the 24 Indian languages shall be sent to all the members of the concerned Language Advisory Board (including the Convener) with a request to recommend two titles each by such date as may be specified

द्वारा निर्धारित तिथि तक दो पुस्तकें अनुमोदित करें। प्रत्येक सदस्य –

(क) सूची से दोनों पुस्तकें, अथवा

(ख) एक पुस्तक आधार-सूची से और दूसरी अपनी रुचि की, अथवा

(ग) दोनों पुस्तकें अपनी रुचि की चुन सकता है।

4. प्रारंभिक पैनल तथा उसके कार्य

1. प्रारंभिक पैनल में दस निर्णायक होंगे जिनका चयन अध्यक्ष द्वारा संबद्ध भाषा परामर्श मंडल के सदस्यों के सुझावों पर विचार करने के पश्चात् किया जाएगा।
2. भाषा परामर्श मंडल के सदस्यों से प्राप्त संस्तुतियाँ संकलित करके प्रत्येक निर्णायक को भेजी जाएँगी।
3. प्रत्येक निर्णायक दो पुस्तकें अनुमोदित करेगा। ये पुस्तकें पूर्ववर्ती नियम 4(2) के अनुसार भेजी गई सूची में से चुनी जा सकती हैं अथवा निर्णायक द्वारा स्वयं अपने विवेक से।

5. जूरी और उसके कार्य

1. प्रारंभिक पैनल के निर्णायकों की संस्तुतियों पर एक त्रि-सदस्यीय जूरी विचार करेगी। जूरी के सदस्यों का चयन अध्यक्ष द्वारा इस संदर्भ में प्राप्त संबध्द परामर्श मंडल के सदस्यों की संस्तुतियों पर विचार करने के उपरांत किया जाएगा।
2. प्रारंभिक पैनल के निर्णायकों द्वारा अनुशंसित पुस्तकें अकादेमी ख़रीद कर जूरी के सदस्यों और संयोजक को भेजेगी।
3. संयोजक, जूरी और अकादेमी के बीच संपर्क सूत्र का काम करेगा। वह यह सुनिश्चित करेगा/करेगी कि जूरी की बैठक उचित और संतोषजनक रूप से संपन्न हो। वह जूरी की रिपोर्ट पर प्रतिहस्ताक्षर भी करेगा/करेगी। संयोजक की अनुपस्थिति में अकादेमी के अध्यक्ष, सामान्य परिषद् अथवा परामर्श मंडल के सदस्य को उनके स्थान पर नामित कर सकते हैं।
4. जूरी के सदस्य या तो सर्वसम्मति से अथवा बहुमत से पुरस्कार के लिए एक पुस्तक की अनुशंसा करेंगे। वे यह भी अनुशंसा कर सकते हैं कि उनके विचार में इस वर्ष कोई भी पुस्तक पुरस्कार के योग्य नहीं है। समस्त सदस्यों को बैठक में भाग लेना होगा, कोई सदस्य यदि किसी कारणवश बैठक में उपस्थित नहीं हो पाता तो वह अपनी संस्तुति लिखित रूप में भेज सकता/सकती है। चर्चा में भाग लेने हेतु उनसे दूरभाष पर संपर्क साधा जा सकता है।

6. पुरस्कार की घोषणा

जूरी की संस्तुति को औपचारिक अनुमोदन और पुरस्कार की घोषणा के लिए कार्यकारी मंडल के समक्ष रखा जाएगा। पुरस्कार की घोषणा के साथ ही

by the Akademi. A member may select:

(a) both the titles from the list, or

(b) one title from the list and the other on his/her own, or

(c) both the titles on his / her own

4. The Preliminary Panel and its functions

1. The Preliminary Panel shall consist of ten Referees. These Referees shall be nominated by the President after considering suggestions of the members of the Language Advisory Board concerned.
2. The recommendations received from members of the Language Advisory Board shall be compiled and sent to each Referee.
3. Each Referee should recommend two books. These titles may be selected either out of the list sent in pursuance of rule 4(2) above or by the Referee on his/her own.

5. The Jury and its Functions

1. The recommendations of Referees in the Preliminary Panel shall be considered by a three-member Jury. The Jury members shall be selected by the President after considering the recommendations in this behalf by the members of the Language Advisory Board concerned.
2. The Akademi shall purchase the books recommended by the Referees in the Preliminary Panel and send them to the Jury members and to the Convener.
3. The Convener shall act as the link between the Jury and the Akademi. He/she will ensure that the meeting of the Jury is conducted properly and satisfactorily and will countersign the report of the Jury. In the absence of the Convener, President may nominate a General Council or an Advisory Board Member to convene the Jury meeting.
4. The Jury members shall, either by consensus or by majority, recommend a book for this award. They may also recommend that, in their opinion, no book is eligible for the Award during the year. All the members have to attend the meeting, however, only in case of emergency he/she may convey his/her views in writing. He/she should be provided with the facility of participating in the discussion over the phone.

6. Declaration of the Award

The recommendation of the Jury shall be placed before the Executive Board for formal approval and announcement of the

जूरी के सदस्यों के नाम और अंतिम चरण में चुनी गई पुस्तकों की सूची भी घोषित कर दी जाएगी।

7. विविध

1. यदि भाषा परामर्श मंडल के किसी सदस्य या निर्णायक द्वारा संस्तुति भेजने की समय-सीमा की अनदेखी की जाती है, तो अकादेमी यह मानकर चलेगी कि उसका/उसकी कोई संस्तुति नहीं है और तदनुसार अपनी पुरस्कार-प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी सिवाय उस विशेष परिस्थिति के जिसमें अकादेमी समय-सीमा को बढ़ा पाने की स्थिति में हो तथा वास्तव में उसे बढ़ाती हो।

   अकादेमी कार्यालय का प्रशासन समय-सीमा के बारे में निर्णय ले सकता है।

2. कार्यकारी मंडल/अध्यक्ष के निर्णयानुसार पुरस्कार समारोह की तिथि और स्थान निर्धारित किया जाएगा।
3. यदि पुरस्कार प्रदान किए जाने के पूर्व किसी पुरस्कार विजेता की मृत्यु हो जाती है तो उस स्थिति में वह पुरस्कार उसके/उसकी पति, पत्नी अथवा किसी क़ानूनी वारिस को दिया जाएगा।
4. परामर्श मंडल के सदस्य, प्रारंभिक पैनल के सदस्य तथा जूरी सदस्य हितों के जुडाव से मुक्त होने की घोषणा करेंगे और यह घोषित करेंगे कि वे किसी ऐसे लेखक की पुस्तक की अनुशंसा नहीं कर रहे हैं जो जन्म से या किसी भी प्रकार के वाणिज्यिक गठजोड़ के माध्यम से उनसे संबंधित है।

सचिव
साहित्य अकादेमी

award. The names of the Jury members and the shortlisted books in the final stage shall be made public simultaneously with the announcement of the Award.

7. Miscellaneous

1. If the time limit for submission of recommendations is not observed by a member of the Language Advisory Board or by a Referee, the Akademi shall presume that he or she has no recommendation to make and shall proceed accordingly unless, in any particular case, it is in a position to extend the time limit and actually does so.

   The administration of the office of the Akademi may decide about the time limit.

2. The award ceremony shall be held on such date and at such place as the Executive Board/President may decide.
3. In the event of the death of an award-winning author/writer before conferment of the award, it shall be given to his/her spouse or to a legal heir.
4. The Advisory Board Members, Preliminary Panel Members and the Jury Members shall provide non-conflict of interest declaration and declare that they are not recommending any book by the author who is related to them by birth or through any commercial tie up of any nature.

Secretary
Sahitya Akademi